भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3654

दिनांक 21 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

बेंगलुरू में सीजीएचएस स्वास्थ्य केंद्र

†3654. डॉ. सी. एन. मंजूनाथः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या बेंगलुरू में नया सीजीएचएस स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार को सीजीएचएस स्वास्थ्य केन्द्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार ने सीजीएचएस स्वास्थ्य केन्द्रों में उक्त विशेषज्ञों की कमी को पूरा करने के लिए नई भर्ती का प्रस्ताव किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या नई भर्ती के लिए कोई समय अवधि तय की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या एमबीबीएस डॉक्टरों को पीएचसी, सीएचसी और तालुक अस्पतालों में कार्य करने के लिए नीट पीजी में उनके चयन के लिए ग्रामीण अस्पतालों में काम करने वाले एमबीबीएस डॉक्टरों के लिए कोई वेटेज देने पर विचार किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ङ): वर्तमान में बंगलुरू में 15 सीजीएचएस आरोग्य केन्द्र कार्यशील हैं। कर्नाटक राज्य (मंगलुरू, शिवमोग्गा और उडुपी) में तीन सीजीएचएस आरोग्य केन्द्रों सहित 22 नए सीजीएचएस आरोग्य केन्द्रों की स्थापना के प्रस्ताव को हाल ही में अनुमोदित किया गया है।

सीजीएचएस बेंगलुरु में, जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर के 40 स्वीकृत पद, नॉन टीचिंग स्पेशलिस्ट के 8

स्वीकृत पद और डेंटल स्पेशलिस्ट के 1 स्वीकृत पद के स्थान पर; 43 जीडीएमओ, 2 नॉन टीचिंग स्पेशलिस्ट और 1 डेंटल स्पेशलिस्ट तैनात हैं।

जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर (जीडीएमओ) और स्पेशलिस्ट के पदों को भरना एक सतत प्रक्रिया है। जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर (जीडीएमओ) और स्पेशलिस्ट के रिक्त पदों को भरने के लिए सरकार उपयुक्त उम्मीदवारों की सिफारिश करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग को मांग-पत्र भेजती है। स्नातकोत्तर अर्हताओं वाले जीडीएमओ को सीजीएचएस पोलिक्लिनिक और आरोग्य केन्द्रों में तैनात किया जाता है और स्पेशलिस्टों की कमी को पूरा करने के लिए कुछ सेवानिवृत्त सरकारी स्पेशलिस्ट डॉक्टरों को संविदात्मक आधार पर नियुक्त किया जाता है।

******